Central University which is proposed to be set up at Tezpur in Assam. Is necessary legislation for setting up of this university at Tezpur going to be introduced in the near future?

SHRI ARJUN SINGH: Sir, I have already mentioned that in principle a decision has been taken at the Prime Minister's level that in view of the special circumstances in Assam a university at Tezpur—Central University—should be set up. Now we are proceeding with all other formalities.

श्री अनन्त शंकर दवे : श्रीमन, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए क्या नार्म्स तय किये गये हैं? श्रीमन, गुजरात सरकार ने क्या आपके पास सरदार पटेल ओपन यूनिवर्सिटी और श्यामजी कृष्णवर्मा ओपन यूनिवर्सिटी खोलने के लिए कोई प्रपोजल भेजा है और यदि भेजा है तो आप उस पर क्या डिसीजन लेने जा रहे हैं?

SHRI ARJUN SINGH: So far as the norms are concerned, I have already answered that question. For any specific query about any university, with your permission, I would like to have some notice.

SHRI PRABHAKAR B. KORE: I would like to know from the hon. Minister whether he has got any proposal to open a Central University exclusively for medical and technical education. I would also like to know whether he has got any proposal for State-wise universities.

SHRI ARJUN SING: Sir, State-wise universities can be opened as the need arises by the State Governments. We cannot come in the way except when they have to look at the resources and the possibilities of the functioning of the university. As I have already stated, at the moment there is no proposal for opening a Central University anywhere apart from the names that I have taken This Committee's report which will be a comprehensive insight into the entire problem will provide us an opportunity to take further decisions.

MR. CHAIRMAN: Next question.

*327. [*The qestioner* (Shri Pramod *Mahajan*) *was absent. For answer vide at* 33-34 *infra*].

*328. [*The question* (*Kumari Chanrika Premji Kenia*) *was absent. For answer vide col.* 23-35 *infra*]

Production of Pashmina Wool

*329. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantum of Pashmina wool produced in the country during the last three years and during the current year so far;

(b) whether it is a fact that Pashmina wool trade is in shambles in Leh (Jammu and Kashmir) resulting in the sale of wool at a low price;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) the steps being taken to boost wool trade in Leh?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): (a) No separate data are being compiled on production of Pashmina wool in the country.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

(d) Following are some of the steps being taken:—

(i) The State Government of Jammu and Kashmir has established two Nucleus farms in Chang Thang sub-division to supply high quality bucks to pashmina breeders.

(ii) The State Government has set up Wool Board which fixes the rate of Pashmina fibre so that the producers get a remunerative price.

(iii) The State Government also proposes to establish a plant for scouring, carding, dehairing and spinning during the 8th Five Year Plan.

(iv) The State Government provides tarpaulin to the Pashmina growers for the protection of their young stock during bad weather.

(v) Central Government provides assistance to State Wool Board for procurement and marketing of wool.

(vi) Selective breeding of Pashmina goats is being carried out for improving the production and quality of Pashmina wool.

श्री कृष्णलाल शर्मा : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता कि पशमीना शाल और पशमीना वूल जो है इसका प्रोडक्शन पिछले तीन सालों में बढ़ा है या कम हुआ है ? यह जो लेह का एरिया है, हिमाचल प्रदेश का एरिया है, कुल्लू मानाली का एरिया है या इसी प्रकार से और जो एरियाज हैं जहां पशमीना वूल ज्यादा बनाई जाती है या मलती है वहां पर सरकार की तरफ से प्रोत्साहन देने वाले कौन से कदम उठाये गये ?

श्री शंकर दयाल सिंह : सबको एक-एक पशमीना शाल बांटी जाय ।

SHRI K. C. LENKA: In 1989-90, 25000 kgs of Pashmina wool was producel. In 1990-91, 30000kgs of wool has been produced. So there has been an increase of 10 per cent in production. We have no such information from Kashmir or Leh that there is reduction in the production of Pashmina wool. Kashmir Government has constituted a Pashmina Board to encourage farmers to produce Pashmina wool. The Government is also planning to start these Centres in other areas where Pashmina is produced to further increase its production.

श्री कृष्णलाल शर्मा : मंत्री महोदय से मैं कहना चाहता हूं कि यह पशीना नहीं है पशमीना है ।

माननीय सदस्य : पसीना आता है ओढ़ने से इसलिये कह रहे हैं ।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : पशमीना ओढ़ने से पसीना तो आयेगा ही इसमें कोई संदेह नहीं । सरकार की नीति में यह है कि जो वूलयार्न है इस पर बाहर से इम्पोर्ट करने पर प्रोत्साहन दिया गया है लेकिन जहां पर भारत में पशमीना वूल है या यार्न हैं उसको जो प्रोत्साहन मिलना चाहिये वह नहीं मिल रहा है । मेरा यह कहना है कि बाहर से इंपोर्ट करने के बजाय यहां पर इन सारी चीजों पर प्रोत्साहन देने की सरकार की क्या नीति है ? और लेह में, हिमाचल प्रदेश में और बाकी जगहों पर जहां पर पशमीना वूल मिलती है क्या सरकार कोई प्रोसेसिंग के लिये प्लांट स्थापित करने की व्यवस्था करने वाली है ?

SHRI K. C. LENKA: Sir, in Kashmir, the Kashmir Government is giving support prices to the Pashmina growers at Rs. 600 kg. They have given the support prices to the farmers and the Government of India provided Rs. 10 lakhs to the Government of Kashmir in 1989, Rs. 7.5 lakhs in 1989-90 and Rs. 5 lakhs in 1991 for the development of this wool.

श्रीमती प्रतिभा सिंह : सभापति महोदय, मैं सरकार से यह जानना चाहती हूं कि देश में पशमीना वूल की कमी है इसलिये उसकी कीमत बहुत ज्यादा है । इस तरह की भेड़ या बकरियां जिनसे यह ऊन निकलती है वह अभी तक लेह और कश्मीर के इलाकों में ही हैं । तो क्या आप यह सोचते हैं कि उत्तर प्रदेश की ऊंची पहाड़ियों में भी इन भेड़ों को पाला जाये । तो क्या इसको प्रोत्साहन देने की आप चेष्टा करेंगे, क्या आपके पास कोई ऐसी योजना है ? जैसा कि अंगूरा खरगोशों के लिये आपने मनाली और कुल्लू में कई प्रोजेक्ट बनाये हैं तो क्या इसकी तरह से उत्तर प्रदेश में भेड़ों के लिये बनायेंगे और अगर बनायेंगे तो कहां बनायेंगे ? हम सब लोगों को विदित है कि रियल पशमीना जो है उसके एक एक शाल की कीमत 10–15 हजार है । अगर आप इसको एक्सपोर्ट करें तो उसकी बाहर के देशों में बहुत खपत है । इसलिये इस तरह की भेड़ और बकरियों को बढ़ाने की जरूरत है । तो इसके लिये आप उत्तर प्रदेश में जैसा कि अभी माननीय सदस्य ने कहा क्या कुछ कार्य करने जा रहे हैं ?

SHRI K. C. LENKA: This kind of wool is usually got from the sheep living in high altitudes. In Uttar Pradesh, this kind of sheep is found in the Garhwal Districts. In Kashmir, the State Government is taking steps to increase the production in the Ladakh and Leh Districts where these sheep live. But they are always subject to diseases. The Government is trying to expand this farming in the hilly areas of Uttar Pradesh, Himachal Pradesh and other areas of Jammu and Kashmir.

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): May I add that this is a lucrative trade. We will also get more foreign exchange if we are able to produce more. We have to try it at higher altitudes where we can breed this and we will try to do that.

श्री रणजीत सिंह : माननीय सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि पशमीना के लिये एक्सपोर्ट मार्केट भी है और देश में भी इसकी मांग है । जैसा कि आस्ट्रेलिया, नार्वे, डेनमार्क और स्कैंडेनेवियन कंट्रीज जो हैं, गवर्नमेंट उनसे मदद ले और उनके साथ कोलोबरेशन करके इनकी ब्रीड को बढ़ाया जाय, इनकी पैदावार को बढ़ाकर ऐसी भेड़ और बकरियों को बढ़ाया जाय, तो क्या ऐसा गवर्नमेंट ने एक्सप्लोर किया है ?

श्री सभापति : क्या आस्ट्रेलिया में पशमीना वूल होता है ?

श्री रणजीत सिंह : नार्वे, डेनमार्क, स्कैन्डेनेवियन कंट्रीज मैंने कहा ।

श्री सभापति : आस्ट्रेलिया में होता है ?

श्री रणजीत सिंह : वहां पर नहीं होता होगा, मेरी जानकारी गलत हो सकती है ।

SHRI K. C. LENKA: Sir, the Government will consider this suggestion.

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति महोदय, मुझे फिर आखिर में समय दे रहे हैं । मेरा सवाल बहुत महत्वपूर्ण है । महोदय, जम्मू और कश्मीर के शीप हजबेंड्री डिपार्टमेंट ने इस ऊन के व्यापार को बढ़ाने के लिये कश्मीर

की भेड़ों को मरीनों के साथ क्रास करके ऊन ज्यादा पैदा की है। लेकिन वह ऊन इतनी ग्रीजी होती है कि उसको डीग्रीज करने के लिये उसको मिलों में भेजा जाता है जो वापस उन लोगों को नहीं मिलती, जो शाल बनाते हैं। इसके कारण उनका व्यापार मर रहा है।

श्री सभापति : आप जल्दी से पूछ लीजिये।

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं यह जानना चाहूंगी कि इस बारे में सरकार क्या उपाय कर रही है ताकि यह व्यापार न मरे और डिग्रीजिंग वीवर स्वयं कर लें।

श्री के.सी. लेंका : इस बारे में उपाय करेंगे।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Sugar production capacity

*322. SHRI BEKAL UTSAHI.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) what is the present installed capacity of sugar in the country and what was the actual production of sugar during 1989-90 and 1990-91; and

(b) what additional production capacity is propose to be installed during the Eighth Five Year Plan period, State-wise?

THE MNISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI TARUN GOGOI): (a) The present installed capacity (as on 30-11-91) of sugar industry in the country is 98.48 lakh tonnes. Actual production of sugar during the sugar years 1989-90 and 1990-91 was follows—

Sugar Year	Production (in lakh tonnes)
1989-90	109.89
1990-91	119.05

(b) The State-wise additional production capacity to be installed in the Eighth Plan period would depend on the implementation of the Letters of Intent already issued and to be issued. The break-up of the State-wise licenced capacity of 71.93 lakh tonnes, which is yet to be implemented, is given in the Annexure laid on the Table of the State. [See Appendix CLXI, Annexure No. 50.]

Import of Refractories for Vizag Steel Plant

*325. SHRI SANTOSH BAGRODIA:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the import of refractories worth crores of rupees for the Vizag Steel Plant are being made every year;

(b) whether it is also a fact that a refractory unit has been set up close to Vizag Steel Plant which can produce refractories of international standards for use of the plant; and

(c) if so, what steps are being taken by the Vizag Steel Plant to encourage manufacture of refractories by the said refractory unit?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) The production at Visakhapatnam Steel Plant (VSP) started in March, 1990 with